भाई बहन की चुदाई की ख्वाहिश पूरी हुई

“हॉट बहन पोर्न स्टोरी में बड़ी बहन की चूत चुदाई की है. उसकी गांड बड़ी मस्त है. मैं रात को सोते समय उसकी गांड मसल देता था. वो कैसे चुदी मुझसे ? …”

Story By: रितेश तायडे (riteshtayade)
Posted: Sunday, June 12th, 2022
Categories: भाई बहन
Online version: भाई बहन की चुदाई की ख्वाहिश पूरी हुई

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

भाई बहन की चुदाई की ख्वाहिश पूरी हुई

हॉट बहन पोर्न स्टोरी में बड़ी बहन की चूत चुदाई की है. उसकी गांड बड़ी मस्त है. मैं रात को सोते समय उसकी गांड मसल देता था. वो कैसे चुदी मुझसे ?

मेरे प्यारे दोस्तो, मेरा नाम नीरज है. मैं महाराष्ट्र के एक गांव का रहने वाला हूँ.
मेरे घर मैं मम्मी पापा और मेरी बड़ी बहन रहती है.

मैं आपको मेरी हॉट बहन पोर्न स्टोरी में ये बताने जा रहा हूँ कि मैंने अपनी बड़ी बहन को उसकी मर्जी से ही कैसे चोदा.

आगे बढ़ने से पहले मैं आपको मेरी बहन के बारे में बता देता हूं.

मेरी बहन का नाम खुशी है. मैं उससे 3 साल छोटा हूँ. वो 23 साल की है और मैं 20 साल का.

मेरी बहन का कद 4 फुट 9 इंच है. वो कुछ नाटी है. उसका फिगर 32-28-34 का है.
जब वो चलती है, तो उसकी गांड बड़ी मस्त मटकती है.
मुझे अपनी बहन का मादक जिस्म बड़ा लुभाता है.

ये पिछले साल की बात है.
एक दिन मैं अपनी दीदी को ताड़ रहा था.
मैं उसको बहुत दिनों से कामुक नज़रों से देख रहा था.

हम दोनों एक साथ ही सोते थे.
जब रात होती थी और वो गहरी नींद में सो जाती थी तो मैं उसकी गांड पर हाथ फेर देता

था ; उसके 32 इंच के मम्मों को दबा देता था और सहला देता था.

ऐसा करते हुए मुझे बहुत समय हो गया था.
मुझे भी लगता था कि मेरी बहन मेरी हरकतों को समझने लगी है.
लेकिन मुझे उससे सीधे सीधे चुदाई की बात करने से डर लगता था.

कुछ दिनों बाद मेरी बहन सलवार पहनना छोड़ कर टॉप और लोअर पहनने लगी.
वो उसमें बहुत ही सेक्सी लगती थी.

अपनी टी-शर्ट के अन्दर वो ब्रा नहीं पहनती थी जिससे उसके मम्मे बड़े मस्त उछलते थे.
उसके मम्मों के निप्पल भी उसकी टी-शर्ट के ऊपर से ही नुमाया होते थे जो मुझे बड़े ही उत्तेजक कर देने वाले लगते थे.

मैं कई बार देखता था कि मेरी बहन के लोअर में उसके चूतड़ बिना पैंटी के बड़े ही मादक लगते थे.

जब वो घर का काम कर रही होती थी, तब उसके मम्मों को देखने के लिए मैं उसके आस पास ही मंडराता रहता था.
उसके 32 इंच के दूध देखकर मेरा लंड खड़ा हो जाता था.
मैं मुठ मार कर अपने लौड़े को शांत कर लेता था.

बहुत दिनों तक ऐसे ही चलता रहा.

एक दिन घर पर कोई नहीं था.
उस दिन मम्मी पापा गांव गए हुए थे.
घर पर बस हम दोनों भाई बहन ही थे.

मैंने उस दिन ध्यान दिया कि मेरी बहन ने अपनी टी-शर्ट और लोअर के नीचे ब्रा पैंटी नहीं पहनी हुई थी.
उस दिन मेरी नजर उसके लोअर पर उसकी टांगों के जोड़ पर चली गई.

उधर उसका लोअर गीला हुआ पड़ा था.
मैं समझ गया कि मेरी बहन की चूत कामरस से टपक रही है.

उस वक्त वो मोबाइल में कुछ देख रही थी.
मैंने चुपके उसके पीछे से जाकर देखा तो वो अन्तर्वासना में भाई बहन सेक्स कहानी पढ़ रही थी.

मैं खुद काफी उत्तेजित हो गया.

उस दिन जब वो नहाने गयी तो मैं भी उसको देखने के लिए चला गया.

मैं दरवाजे के पीछे से देखने लगा और मुठ मारने लगा.
उस वक्त वो अपनी चूत में उंगली कर रही थी.

मैं समझ गया कि दीदी को भी अब लंड की जरूरत है.
तो मैं मौके की तलाश में लग गया.

अब मैं उसे जानबूझ कर टच करने लगा, उसके साथ मस्ती करने लगा.
वो भी मेरी हरकतों का मजा लेने लगी.

ये देख कर रात को सोते वक्त सोने का नाटक करते हुए मैं उसे हग करने लगा.
वो भी मेरी टांगों में टांगें फंसा कर सोने लगी.

इस तरह से हम दोनों के बीच सेक्स को लेकर एक मूक सहमति सी बन गई थी.

कुछ दिनों बाद मम्मी पापा फिर से नाना के यहां किसी काम से चले गए.
उस दिन मैंने बड़ी हिम्मत करके दीदी से बात करना शुरू कर दी.

मैंने उससे कहा- खुशी दीदी, आज आप बहुत हॉट लग रही हो.
उसने मुस्कुराते हुए थैंक्यू बोला और किचन में चली गयी.

मैंने किचन में जाकर उससे पूछा- दीदी आपका फिगर बहुत टाइट है और सेक्सी भी. ऐसा आप क्या करती हो ?
ये सुनकर उसने मुझ पर गुस्सा किया और कमरे में चली गयी.

रात को खाना खाने के बाद मैंने उससे सॉरी बोला और उससे बातें करने लगा.
वो भी सामान्य हो गई.

मैंने उससे कहा- खुशी दी अगर आप बुरा न मानें, तो मैं एक बात बोलूं ?
उसने कहा- हां बोलो ?

मैं- क्या मैं आपको एक किस कर सकता हूं ?
दीदी- तू पागल हो गया है क्या … किससे क्या बात कर रहा है, ये तुझे पता भी है !

मैं- लेकिन दीदी सिर्फ एक बार करने दो. मुझे भी किस करके देखना है और आपको भी मजा आएगा. किसी को पता भी नहीं चलेगा.
दीदी- तू अब सो जा, कल बात करूंगी.

मैं कुछ नहीं बोला और सो गया.

दूसरे दिन मैंने फिर से उंगली की- दीदी क्या सोचा आपने ?
दीदी- कुछ नहीं.

मैं- प्लीज़ दीदी सिर्फ एक बार तो करके तो देखने दो न कि कैसा लगता है.
दीदी- ठीक है, लेकिन अभी नहीं, बाद में … अभी मुझे बहुत काम है.

मैं- ठीक है दीदी.
मुझे तो अब पता चल गया था कि आज खुशी दी मुझसे चुद जाएगी.

मैं मेडिकल स्टोर पर गया और देर तक चुदाई करने वाली एक गोली लेकर आ गया.

कुछ देर बाद दीदी का काम हो गया.
इसके बाद दीदी टीवी देख रही थी.

मैं उसके पास गया और उससे बोला- दीदी किस !
वो बोली- ठीक है लेकिन सिर्फ एक बार … और एक शर्त पर कि तू किसी को बोलेगा नहीं.
मैंने बोला- ठीक है.

हम दोनों खड़े हुए और मैंने खुशी को कमर से पकड़ कर अपनी तरफ खींचा.
वो थोड़ी डर गई और उसने आंखें बंद कर लीं.
मैंने फायदा उठाते हुए उसके होंठों पर होंठ रख दिए और किस करना शुरू कर दिया.

एक मिनट बाद वो हट गई.

मैंने उससे कहा- मुझे तो कुछ समझ नहीं आया. आप हट क्यों गईं ?
वो बोली- क्या समझ नहीं आया ?
मैंने कहा- आप इतनी जल्दी हट गईं, मुझे किस का मतलब ही समझ नहीं आया.

उसे शायद अन्दर तक सनसनी होने लगी थी और अच्छा भी लगा था तो वो फिर से चुम्बन देने के लिए राजी हो गई.

मैं फिर से उसे किस करने लगा.
अब वो भी मुझे किस करने लगी.

मैं उसकी कमर को पकड़ कर सहला रहा था.
कुछ देर में वो गर्म हो गयी और मुझको जोर-जोर से किस करने लगी. मेरे होंठों को काटने लगी.

मैंने मौके का फायदा उठाते हुए उसका टॉप उतार दिया.
इससे पहले कि वो कुछ बोल पाती, मैंने उसको किस करना चालू कर दिया.

कुछ देर बाद मैंने उसकी ब्रा का हुक खोल दिया और उसके 32 नाप के मम्मों को आजाद कर दिया.
वो खुद अपनी ब्रा को हटा कर मेरे साथ लग गई.

मैं अपनी बहन के मम्मों को बारी बारी से चूसने लगा.
वो भी बड़ी वासना से मेरे मुँह में अपने दोनों दूध ठेलने लगी और मैं उसके चूचुकों को खींच खींच कर मजा लेने लगा.

कुछ देर बाद मैंने उसको उठाया और बेड पर लिटा दिया.
वो टांगें पसार कर चुदने के लिए लेट गई.

मैंने उसके लोवर को उसके शरीर से अलग कर दिया और उसकी पैंटी को भी खींच कर हटा दिया.
मेरी बहन की चूत एकदम सफाचट थी और उसकी चूत से चमकीला पानी बाहर आने लगा था.

मैं उसकी चूत चाटने लगा.

तो वो मेरे सर पर हाथ रख कर चूत उठाने लगी और मादक सिसकारियां लेने लगी- आ हहह आ हहह नीरज रुक जाओ … आहह आह हह !
ऐसा बोलती हुई मेरी बहन झड़ गयी.

मैं भी अब पूरा नंगा हो गया और उससे लंड चूसने को बोला.
उसने लंड चूसने से मना कर दिया.
मैंने भी उसको ज्यादा नहीं कहा.

अब मैं उसके ऊपर लेट गया और उसके एक निप्पल को खींच कर चूसने लगा.
वो गर्म होती गयी और उसकी कामुक सिसकारियां निकलने लगीं ‘आह हहह उमंह उह उम्म आह हह …’

फिर मैंने अपना लंड उसकी चूत पर रगड़ना शुरू कर दिया.
वो खुद भी अपनी चूत मेरे लंड पर घिस रही थी.

मैंने बहुत सारा थूक अपने लंड पर लगाया और चूत के अन्दर डालने की कोशिश करने लगा.
उसकी चूत बहुत टाइट थी, तो लंड अन्दर नहीं जा रहा था.

मैंने उसकी गांड के नीचे एक तकिया रख दिया.
इससे उसकी चूत उभर कर ऊपर को उठ गई.

मैंने चूत की फांकों में लंड का सुपारा घिसा और एक जोरदार धक्का दे मारा ; मेरा आधा लंड उसकी चूत में घुसता चला गया.

वो एकदम से चिल्लाने लगी- उई मम्मी रे मर गई … छोड़ मुझे आंह साले मैं मर जाऊंगी … आंह छोड़ दे !

मैं उसको किस करने लगा ताकि उसका दर्द कम हो जाए और आवाज भी न निकले.

कुछ देर बाद उसका दर्द कम हो गया और वो अपनी गांड उठाने लगी.
मैंने धक्के लगाकर पूरा लंड अन्दर कर दिया.

वो अब कामुक सिसकारियां लेने लगी- आह उह हहह नीरज आह हहाह उह हहह नीरज और तेज करो नीरज. मजा आ रहा है.

मैं अपनी बहन की चुदाई करता गया और वो ऐसे ही बोलती हुई झड़ गयी.

पर मैं अभी बाकी था, मैं अपना लंड आगे पीछे करने लगा.
वो बोली- मुझे पता था कि तू मुझे चोदने की फिराक में है … आहह आह साले इसी लिए तू मुझे नहाते हुए देखता था. उहम्म आहह … आराम से कर भैनचोद, मैं कहीं भाग नहीं रही हूँ.

मैंने पूछा- दी आपको और क्या क्या मालूम था ?
वो लंड का मजा लेती हुई बोली- तू रात को भी मेरे मम्मे दबाया करता था. मेरी गांड में अपना लंड घिसता था.

मैंने जब ये सुना तो मैं समझ गया कि मेरी बहन की चूत में काफी पहले से ही आग लगी थी और ये खुद ही मेरे लंड से चुदने मचल रही थी.
अब मैं उसको और जोर जोर से चोदने लगा.

वो बोल रही थी- आहह हह उमम हम्मम ओहह आह … आराम से आह नीरज मेरे भाई आह चोद दे अपनी बहन की चूत को … आह साले कितना अन्दर तक पेल रहा है तू !
ऐसा कहती हुई मेरी बहन फिर से झड़ गयी.

मैं अभी भी धक्के लगा रहा था.

कुछ डर बाद मैं भी झड़ने वाला हो गया था, मैंने उससे कहा- मेरा होने वाला है, रस कहां लोगी दीदी ?
उसने कहा- अपनी बहन की चूत के अन्दर ही छोड़ दे.

कुछ देर तक बहन की चूत रगड़ने के बाद मैं उसकी चूत के अन्दर ही झड़ गया.

मेरी बहन भी कामुक सिसकारियां लेती हुई झड़ गई और हंसने लगी.

मैंने कहा- आप खुश हो न !
बहन बोली- हां बहुत खुश हूँ.

मैंने कहा- तो दीदी इस खुशी का मुझे इनाम भी मिलना चाहिए.
बहन बोली- अब क्या चाहिए ?

मैंने कहा- मुझे अपना लंड चुसवाना है.
हॉट बहन हंस दी और बोली- ला मेरे मुँह में लंड दे दे.

फिर मैंने अपना लंड उसके मुँह में दिया और उसने लंड चूसकर साफ कर दिया.
उस रात में हम दोनों ने 3 बार और चुदाई की और सो गए.

अब हम दोनों को तो रोज ही मौका मिलता था. हम दोनों चाहे जब चुदाई करने लगे थे.
मेरी पोर्न बहन ने मुझसे अपनी गांड भी मरवाई है. वो सेक्स कहानी मैं आपको अगली बार लिखूँगा.

अगर आपको ये हॉट बहन पोर्न स्टोरी पसंद आयी हो तो मुझे मेल से जरूर बताएं.
rtayde408@gmail.com

Other stories you may be interested in

एक्स एक्स एक्स मास्टर ने स्टूडेंट की मां बहन चोदी

एक्स एक्स एक्स हिंदी कहानी एक मास्टर की है. मैंने उसे एक घर में ट्यूशन दिलाई. एक दिन मैंने स्टूडेंट की माँ को उस मास्टर के साथ सेक्स करते देखा. और उसके बाद … हैलो फ्रेंड्स, मेरा नाम विकास है. […]
Full Story >>>

जीवन की पहली चूत मकान मालकिन भाभी की

Xxx हिंदी कॉम कहानी में पढ़ें कि मेरी जवानी और चुदाई की चाहत अपने चरम पर थी. चंडीगढ़ पढ़ाई के लिए आया तो मकान मालकिन से दोस्ती के बाद सेक्स का मजा मिला मुझे ! जब मैं करीब बीस साल का […]
Full Story >>>

चालू माँ की चुदक्कड़ बेटी की वासना

डॉटर फादर सेक्स कहानी में पढ़ें कि मैं मां को उसके यार से चुदाई करती देखती थी। मैं भी वैसी ही होने लगी. एक दिन मेरी माँ को पापा ने सेक्स करते पकड़ लिया. हाय, मेरा नाम बिंदु है और […]
Full Story >>>

सहेली के बेटे के लम्बे लंड से चुद गयी

बिग लंड सेक्स कहानी मेरी सहेली के बेटे से अपनी चूत चुदाई की है. मेरी सहेली का बेटा मेरे घर में था। इस बीच कुछ ऐसा हुआ कि मैं खुद को रोक न पाई और सारी हदें पार कर गई। […]
Full Story >>>

पुरानी चाहत की चूत लॉकडाउन में चोदने मिली- 2

एनल पोर्न सेक्स कहानी में पढ़ें कि कैसे मैंने अपनी रिश्तेदार लड़की की चुदाई की. उसके बाद मैंने उसे ओरल सेक्स के लिए मनाया. फिर गांड का नम्बर आया. हैलो फ्रेंड्स, मैं विवेक एक बार फिर से आपसे मुखातिब हूँ. […]
Full Story >>>